

बिहार विधान सभा वादवृत्त

सोमवार, तिथि २४ सितम्बर, १९५१

भारत के संविधान के उपबन्ध के अनुसार एकत्र विधान सभा का कार्य विवरण। सभा का अधिवेशन पटने के राज्यपाल भवन में सोमवार तिथि २४ सितम्बर, १९५१ को अपराह्न १॥ बजे माननीय अध्यक्ष श्री विन्ध्येश्वरी प्रसाद वर्मा के सभापतित्व में हुआ।

*तारांकित प्रश्नोत्तर।

STARRED QUESTIONS AND ANSWERS.

REMOVAL OF MONKEY MENACE IN SIWAN SUBDIVISION.

*282. **Shri MUHAMMAD ABDUL GHANI:** Will the Hon'ble Minister for Development be pleased to state—

(a) what steps Government have taken so far to remove the monkey menace for Bihar, particularly for the Siwan Subdivision;

(b) how far representatives have up till now been received from the people particularly Hindus for eradication of the said menace;

(c) whether any telegram of Hindu public of Siwan has been forwarded to the Hon'ble K. M. Munshi, Food Minister for India, requesting him for the eradication of such menace, if so, when and with what result;

(d) whether the Bihar Government are aware that the Government of India gave handsome grant to the Orissa Government for the eradication of such evils and whether the said Government did destroyed monkeys;

(e) whether it is a fact that the Government of India asked the Bihar Government to eradicate monkey's menace from Bihar, if so, when and with what result?

The Hon'ble Dr. SAIYID MAHMUD: (a) On the recommendation of the District Officer, the State Government have issued instructions to officers to do active propaganda in order to educate public opinion for the extermination of monkeys.

(b) Some M.L. As. both Hindu and Muslim of the Saran district have represented to Government for the destruction of monkeys in Siwan Subdivision.

(c) and (d) Government have no information.

(e) The Government of India suggested to the State Government in August last year on 30th August 1950 to take steps for the destruction of monkeys and wild animals and on their suggestion, steps to eradicate monkeys were taken as mentioned in answer to clause (a) above.

माननीय श्री बद्रीनाथ वर्मा—यह बात सही है कि कमिटी की तरफ से वक्त देने पर भी अभी तक जबाब नहीं आया है। उसके बाद रुपया गवन होता है या नहीं इसकी खबर सरकार के पास नहीं है। बोर्ड ऑफ सेकेण्डरी स्कूल्स को इंसपेक्शन के लिये कहा गया है उसके बाद उचित कार्रवाई की जायेगी।

श्री नन्दकिशोर नारायण लाल—सरकार ने जो कमिटी बनायी थी और जिसके एस० डी० ओ० प्रेसिडेंट थे वह कमिटी एजुकेशन बोर्ड के किस दफे के अनुसार तोड़ दी गयी?

माननीय श्री बद्रीनाथ वर्मा—जब तक कमिटी के खिलाफ जांच खत्म नहीं हो जाती और यह साबित नहीं हो जाता कि कमिटी ने अपनी जिम्मेवारी कामयाबी के साथ नहीं संभाली तब तक वह कमिटी तोड़ी नहीं जा सकती।

श्री नन्दकिशोर नारायण लाल—क्या सरकार बतायेगी कि स्कूल कमिटी के ऊपर बोर्ड ने यह आरोप लगाया है कि स्कूल के फंड का रुपया इधर भी जमा नहीं हो रहा है और न उस खर्च का हिसाब है?

माननीय श्री बद्रीनाथ वर्मा—मैंने बताया है कि इस तरह के आरोप लगाए गए हैं इसलिए यह मामला बोर्ड ऑफ सेकेण्डरी एजुकेशन के अधीन है। उसने एक कमीशन इसकी जांच के लिए नियुक्त किया है और वह जांच कर रहा है। उसकी रिपोर्ट आने पर कि रुपये का गोल-माल किस तरह हुआ है और अपराध साबित हो जाने पर जिस तरह की कार्रवाई करने की जरूरत समझी जाएगी उस तरह की कार्रवाई की जायेगी।

माननीय अध्यक्ष—जब तक इस कमिटी के संबंध में जांच हो रही है तब तक क्या सरकार दूसरी कमिटी बना कर उसके द्वारा काम नहीं ले सकती?

माननीय श्री बद्रीनाथ वर्मा—इसका भी ग्राउंड तैयार हो तब न।

श्री नन्दकिशोर नारायण लाल—जब ऑडिटर की रिपोर्ट में है कि स्कूल कमिटी ने रुपया गवन किया है तो उसके आधार पर दूसरी कमिटी का निर्माण क्यों नहीं किया जा रहा है और फंड का रुपया उसी कमिटी की मारफत क्यों खर्च किया जा रहा है?

माननीय श्री बद्रीनाथ वर्मा—माननीय सदस्य को मालूम होना चाहिए कि जब तक कमिटी की रिपोर्ट के अनुसार एक्सप्लेनशन देने का मौका नहीं दिया जाय और पूरी तफसील में इसकी जांच न कर ली जाय तब तक यह कैसे कहा जा सकता है कि कमिटी ने रुपया गवन किया है। कुछ इररेगुलरिटी जरूर हुई है।

श्री नन्दकिशोर नारायण लाल—स्कूल फंड का रुपया जमा नहीं है और उसका कोई एकाउन्ट नहीं है इसी से पता चलता है कि रुपया गवन हुआ है।

माननीय अध्यक्ष—सरकार इसकी जांच करा रही है।

RECOGNITION OF B. B. MEMORIAL SCHOOL, BHATTA.

*809. **Shri MUHAMMAD TAHIR:** Will the Hon'ble Minister in charge of Education be pleased to state—

(a) whether B. B. Memorial High School has been started at Bhatta, Purnea town;

(b) whether it is a fact that the school is running satisfactorily and that for want of recognition the boys are appearing at the Matriculation examination privately;

(c) whether it is a fact that the school is showing good result at the Matriculation examination, whether there is only one High School in Purnea town;

(d) whether it is a fact that the school is running as self-sufficient and its financial position is quite sound;

(e) whether it is a fact that the inspecting authorities, the District Inspector of Schools and the Inspector of Schools have recommended for recognition, if so, whether Government propose to accord recognition to the said School as full fledged High School, if not, why?

The Hon'ble Shri BADRINATH VERMA : (a) The answer is in the affirmative.

(b) This is not known to Government, whether boys of the school are appearing privately at the Matriculation Examination for want of recognition.

(c) The answer is in the affirmative.

(d) So far as the reports have been received the school was running in deficit in the beginning of the calendar year with the monthly deficit of Rs. 180.

(e) (i) The answer is in the affirmative.

(ii) The board has already granted recognition of classes VIII and IX to this school with permission to run class X on the recommendation of the recognition sub-committee. A Special Board is being sent out soon to test the fitness of this school for recognition of class XI.

Shri MUHAMMAD TAHIR : What is the number of students in this school?

The Hon'ble Shri BADRI NATH VERMA : This is not known to Government.

Shri MUHAMMAD TAHIR : Are Government aware that this school has got 300 students on the roll?

The Hon'ble Shri BADRINATH VERMA : For the recognition of a school, first of all the VIII and IX classes are recognised and after that the recognition of class X is given and then the Special Board decides whether recognition of class XI should also be given. So necessary steps are being taken in the case of this school also, for its recognition.

Shri MUHAMMAD TAHIR : Do Government propose to make an enquiry through the Secretary, Board of Secondary Education, regarding the fitness of this school, if so, when?

The Hon'ble Shri BADRINATH VERMA : Secretary, Board of Secondary Education told me that he is going to take necessary steps for the recognition of this school. I cannot say the exact time as to when he will take steps.

Shri MUHAMMAD TAHIR : Will Government take early steps to give the recognition of this school as the studies of the boys is suffering to a great extent?

The Hon'ble Shri BADRINATH VERMA : Government are not primarily concerned with its recognition. It is the concern of the Secretary, Board of Secondary Education, who is taking preliminary steps to get its recognition.

प्रचार विभाग तथा हिन्दी अंग्रेजी समाचार पत्र कटिंग।

*३१०। श्री गौरी शंकर डोलमिया—क्या माननीय मंत्री, जन सम्पर्क विभाग, यह बताने की कृपा करेंगे कि—

(क) क्या सरकार की नीति अंग्रेजी की जगह हिन्दी को अधिकाधिक तरजीह देने की है;

(ख) क्या सरकार का ध्यान इस ओर आकृष्ट हुआ है कि प्रचार विभाग जनता के भावों को जानने के लिए जो अखबारों की कटिंग काट कर प्रभारी मंत्री महोदयों तथा साँचियों को सूचित करता रहता है उसमें अंग्रेजी अखबारों की कटिंग की ही विशेष प्रधानता रहती है;

(ग) क्या इस विभाग के निकले बिहार १९४९-५१ नामक पुस्तक में दी गई कटिंग के आंकड़ों से स्पष्ट है कि १९४८ से १९५० में अंग्रेजी की कटिंग बढ़ती गयी पर हिन्दी की घटी है;

(घ) क्या सरकार का इरादा हिन्दी अखबारों में छपी खबरों और शिकायतों पर भी पूरा ध्यान देने का है और यदि है तो उसकी पूर्ति किस तरह करनी चाहिये?

माननीय श्री बद्रीनाथ वर्मा—(क) उत्तर 'हाँ' है।

(ख) यह समझना ठीक नहीं है कि जन सम्पर्क विभाग द्वारा समाचार पत्रों की जो कतरन माननीय मंत्रियों को भेजी जाती है उनमें हिन्दी समाचार पत्रों की उपेक्षा और अंग्रेजी समाचार पत्रों की विशेष प्रधानता दी जाती है। कतरन विषय के महत्त्व की दृष्टि से तैयार की जाती है, भाषा की दृष्टि से नहीं।

(ग) जन सम्पर्क विभाग द्वारा प्रकाशित १९५१ की रिपोर्ट की विभिन्न भाषाओं की कतरनों के आंकड़ों से निस्संदेह ऐसा पता चलता है कि १९४८ ई० की तुलना में